TECHE UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. P_MSS_4312

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥र्द०॥ भुवणपईवं वीरं। नमिऊण भणामि अबुहबोहत्थं। जीवसरूवं किंचिवि। जह
भणिअं पुव्वसूरीहिं॥१॥ जीवा मुत्ता संसारिणो अ। तस थावरा य संसारी। पुढवि जल जल
ण वाऊ। वणस्सई थावरा नेआ॥२॥ फलिह मणि रयण विद्दुम। हिंगुल हरिआल मण
सिल रसिंदा। कणगाइ धाउ सेढी। वन्निय अरणेट्टय पलेवा॥३॥ अब्भय तूरी ऊसं म
ट्टी पाहाण जाइ ओणेगा। सोवीरंजण लूणाइ। पुढवि भेआइ इच्चाइ॥४॥ भोमंतरिक्खमु
दगं। उसा हिम करग हरि तणु महिआ। हुंति घणोदहिमाई। भेआणेगा य आउस्स॥

५इंगालजालमुम्मुरउक्कासणिकणगविज्जुमाईआ॥अगणिजिआणंभेआणायव्वानिउण

बुद्धीए॥६उब्भामगउक्कलिआमंडलिमहसुद्धगुंजवायाय।घणतणुवायाईआभेआखलु

वाउकायस्स॥७साहारणपत्तेआवणस्सइजीवादुहासुएभणिआ।जेसिमणंताणतणू

एगासाहारणातेउ॥८कंदाअंकुरकिसलयपणगासेवालभूमिफोडाय।अल्लयतियगज्जर

मुत्थावत्थुलाथेगपल्लंका॥९कोमलफलंचसव्वंगूढसिराइंसिणाइंपत्ताइं।थोहरिकुमारि

गुग्गुलिगलोयपमुहाइछिन्नरुहा॥१०इच्चाइणोअणेगाहवंतिभेआअणंतकायाणं।तेसिं

पठ

उ॥जाणणत्थंलक्खणमेअंसुएभणिअं॥११गूढसिरसंधिपव्वंसमभंगमहीरगंचछिन्नरुहंसा

हारणंसरीरंतव्विवरीअंचपत्तेअं॥१२एगसरीरेएगोजीवोजेसिंतुतेअपत्तेआ।फलफु

ल्लछल्लिकट्ठामूलगपत्ताणिबीआणि॥१३पत्तेअतरुंमुत्तुंपंचविपुढवाइणोसयललोए।

सुहुमाहवंतिनियमाअंतमुहुत्ताउअदिस्सा॥१४संखकवड्डयगंडुलजलोयचंदणगअलस

लहगाई।मेहरिकिमिपूअरगाबेइंदियमाइवाहाई॥१५गोमीमंकणजूआ॥

पिपीलिउद्देहिआमक्कोडा।इल्लीयघयमिल्लीओसावयगोकीडजाईओ॥१६गद्दहयचोर।

2

कीडा॥ गोमयकीडा धन्नकीडा य। कुंथु गोवालिअ इलिआ तेइंदिय इंदगोवाई॥१७॥ चउरिंदि-
आ य विछू ढिंकण भमरा य भमरिया तिड्डा मरकी डंसा मसगा। कंसारी कविलडोलाई॥१८॥ पं-
चिंदिआ य चउद्धा नारय तिरिया मणुस्स देवा य। नेरइआ सत्तविहा नायव्वा पुढविभेएणं॥१९॥ ज-
लयर थलयर खयरा तिविहा पंचिंदिआ तिरिक्खा य। सुसमार मच्छ कच्छव गाहा मगरा
य जलचारी॥२०॥ चउपय उरपरिसप्पा भुयपरिसप्पा य थलयरा तिविहा। गोसप्प नउल पमु-
हा नायव्वा ते समासेणं॥२१॥ खयरा रोमयपक्खी चम्मयपक्खी य पायडा चेव। नरलोगा-

५५

उ बाहिं समुग्गपक्खी विययपक्खी॥२२॥ सव्वे जल थल खयरा समुछिमा गब्भया दुहा हुंति। क-
म्माकम्मगभूमिअ अंतरदीवा मणुस्सा य॥२३॥ दसहा भवणाहिवई अट्ठविहा वाणमंतरा हुं-
ति। जोइसिआ पंचविहा दुविहा वेमाणिआ देवा॥२४॥ सिद्धा पनरसभेआ तित्थ अतित्थाइ-
सिद्धभेएणं। एए संखेवेणं जीवविगप्पा समक्खाया॥२५॥ एएसिं जीवाणं सरीरमाऊ ठिई स-
काय ठिई। पाणा जोणिपमाणं जेसिं जं अत्थि तं भणिमो॥२६॥ अंगुल असंखभागो सरीरमे-
गिंदिआण सव्वेसिं। जोयणसहस्समहियं नवरं पत्तेयरुक्खाणं॥२७॥ बारस जोयण ति-

3

व गाउआइं॥ जोअणं च अणुक्कमसो॥ बेंदिअतेंदिअ चउरिंदिअदेहमुच्चत्तं॥२९॥ धणुसयपंच
पमाणा॥ नेरइआ सत्तमाइ पुढवीए॥ तत्तो अद्धद्धूणा॥ नेआ रयणप्पहा जाव॥३०॥ जोअणसहस्स
पमाणा॥ मच्छा उरगा य गब्भया हुंति॥ धणुहपुहुत्तं पक्खिसु॥ भुअचारी गाउअपुहुत्तं॥३१॥ खयरा ध
णुहपुहुत्तं॥ भुअगा उरगा य जोअणपुहुत्तं॥ गाउअपुहुत्तमित्ता॥ समुच्छिमा चउप्पया
भणिआ॥३२॥ छच्चेव गाउआइं॥ चउप्पया गब्भया मुणेअव्वा॥ कोसतिगं च मणुस्सा॥ उक्कोससरीर
माणेणं॥३३॥ ईसाणंतसुराणं॥ रयणीओ सत्त हुंति उच्चत्तं॥ दुगदुगदुगचउगेविज्जणुत्तरे इक्किक्कप १०

रिहाणी॥३४॥ बावीसा पुढवीए॥ सत्त य आउस्स तिन्नि वाउस्स॥ वाससहस्सा दस तरुगणा
णा॥ तेऊ तिरत्ताऊ॥३५॥ वासाणि बारसाऊ॥ बेंदिआणं तेइंदिआणं तु॥ अउणापन्नदि
णाइं॥ चउरिंदीणं तु छम्मासा॥३६॥ सुरनेरइआण ठिई॥ उक्कोसा सागराणि तित्तीसा॥ चउ
प्पयतिरिअमणुस्सा॥ तिन्नि अ पलिओवमा हुंति॥३७॥ जलथलखयरउरभुअगाणं॥ परमाऊ
होइ पुव्वकोडीओ॥ पक्खीणं पुण भणिओ॥ असंखभागो अ पलिअस्स॥३८॥ सव्वे सुहुमा सा
हारणा य॥ संमुच्छिमा मणुस्सा य॥ उक्कोसजहन्नेणं॥ अंतमुहुत्तं चिय जिअंति॥३९॥

...लाय मालां॥ एवं संखवउ समक्खायं। जे पुण इह विसेसा। विसेससुत्ताउ तान आ
॥३९॥ एगिंदिआ य सव्वा। असंख उस्सप्पिणी सकायंमि। उववज्जंति चयंति आ अणंतका
या अणंताउ॥४०॥ संखिज्जसमा विगला। सत्तट्ठ भवा पणिंदि तिरि मणुआ। उववज्जंति स
काए नारय देवा य नो चेव॥४१॥ दसहा जिआण पाणा। इंदिअ ऊसास आउ बलरूव
ा एगिंदिएसु चउरो। विगलेसु छ सत्त अट्ठेव॥४२॥ असन्नि सन्नि पंचिंदिएसु नव दस
कमेण बोधव्वा। तेहिं सह विप्पओगो। जीवाणं भण्णए मरणं॥४३॥ एवं अणोरपार ६१

संसारे सायरंमि भीमंमि। पत्तो अणंतखुत्तो। जीवेहिं अपत्त धम्मेहिं॥४४॥ तह चउरासील
क्खा संखा जोणीण होइ जीवाणं। पुढवाईण चउण्हं पत्तेयं सत्त सत्तेव॥४५॥ दस पत्ते
य तरूणं चउदस लक्खा हवंति इयरेसु। विगलिंदिएसु दो दो। चउरो पंचिंदि तिरि
आणं॥४६॥ चउरो चउरो नारय सुरेसु मणुआण चउदस हवंति। संपिंडिआ य सव्वे। चुलसी
लक्खाउ जोणीणं॥४७॥ सिद्धाण नत्थि देहो। न आउ कम्मं न पाण जोणीउ। साइ अणंता ते
सिं। ठिई जिणिंदागमे भणिआ॥४८॥ काले अणाइनिहणे। जोणीगहणंमि भीसणे इ

त्थासमिस्साममिहं तिविहं जीवा जिणा वयणमलद्धंता॥४४॥ तासं पइसमयं पत्ते । मणुअ अत्तसंड
वदिअसमत्ता । सिरिसंतिसूरिसिद्धा । करेदलावक्ष्म संधय्ये॥४५॥ पमासाजीववियारो
।संखवरूइणाजाणणा हेउं संखित्ता उद्धरिआ रुदाउ सुअसमुद्दाउ॥४६॥ इति श्री॥
जीवविचार प्रकरणं समाप्तं॥ ॥ नमिउं चउवीसजिणा तस्सुत्त विआरलेस देसण
उ। दंडगपएहिं ते थुणामि सुणेह भो भव्वा॥१॥ नेरइया असुराई पुढवाई बेइंद
िआदउ चेव॥ गब्भयतिरियमणुस्सा वंतर जोइसिय वेमाणी॥२॥ सं ६२

खित्तयरी उ इमा सरीरमोगाहणा य संघयणा सन्ना संठाण कसाय लेस इंदिय
दुसमुग्घाया॥३॥ दिट्ठी दंसण नाणे जोगुवओगोववाय चवण ठिई प
ज्जत्ति किमाहारे सन्नि गइ आगई वेए॥४॥ चउग
ब्भतिरिय वाउ मणुआण पंच सेसा तिसरीरा। थावरचउगे दुहओ अंगुलअसंखभागत
णू॥५॥ सव्वेसिं पि जहन्ना साहाविय अंगुलस्स संखंसो। उक्कोस पणसयधणु नेरइया
सत्त हत्थ सुरा॥६॥ गब्भतिरि सहस जोयण वणस्सई अहिय जोयण सहस्सा नरतें 6

इंदियतिगं काबेइंदियाईणं आहारा। नेरइयाणमेगं चउरिंदि॥ददसव्ववण्णाणसुपसणि

याइं चउविहं दिवदंउणं। अंतमुलसंख्वमारंल॥ ॥१२॥ देवनरअहियलक्खं तिरियाणं

वयजायणसव्वाइ। उणंतनारयाणं। नणियंवउव्वियसरीरं॥ गब्भवरसुरानरइ

या। अस्संघयणा यविगला। ब्वहा। संघयणं छग्गगब्भया। नरतिरिएसुमुणेयव्वं॥१४॥

धारइसावसिंवउदवा। सम्मासे वीसुसमय्यं चउरंसा। नरतिरिवस्संधाणं। हुंडा।

विगलिदिनरइया॥१५॥ नाणाविहधयसूई। बुब्बुयवणवाउतेअपकाया। पुढवी ६२

मसूरचंदा। कारसंठाणा उंभणिया॥१६॥ चउबारी॥ सव्वेविचउकसाया। लेसबगगब्भतिरिय

मणुएसु। नारयतेउवाऊ। विगलावेमाणिय तिलेसा॥१७॥ जोइसियतेउलेसा। सेसाम

व्विविहंतिचउलेसा। चउइदियदारं सुगमं। धरमणुआणं सत्तसमुग्घाया॥१८॥ धणगब्भतिरि

सुरेसु। नारयवाऊसु चउरतिय ...... विगलिदिएसुवेरा। मिच्छदिट्ठीसमयतिदिट्ठी।

॥१९॥ थावरबावरदिट्ठी अवरखुववरिंदिसु तहुगब्भपणिंए। मणुआचउदंसणिणो। स

सेसुतिगंतिगंभणियं॥२०॥ अन्नाणनाणतियं। सुरतिरिनिरयथिरअन्नाणदुगं॥

नाणन्नाणडविगला मणुयएपणनाणतिअनाणा ॥२७॥ बारस१२उइकारसमुरनिरयतिरि

यसुतिरयनरमणुएसुं। विगलचउपणवाणु जोगतियंथावरहोइ ॥२८॥ उव

वंगामणुएसुं। बारसनवनिरयतिरियादेवसु। विगलदुगपणबक्को चउरिंदिसुथा

वरतियमा ॥२९॥ पसरवमसंखासमयागज्ञयतिशिविगलनारयसुराय मणुआ

नियमासंखा। वणणंताथावरअसंखा ॥३०॥ असन्निनरअसंखा। ऊहवववायतहे

ववचवणविं ॥३१॥ बावीससगतिदसवाससहस्सउक्किठपुढवाइ ॥३२ति

६४

दिणगितिपल्लाऊ नरतिरिसुरनिरयसागरतितीसा। वंतरपल्लंजोइसवरसलक्ख

हियपलियं ॥३३॥ असुराणअहियअयरं देसूणडुपल्लयंनवनिकाए। बारसवास

गुपणदिणा छमासउक्किठविगलाऊ ॥३४॥ पुढवाइदसपयाणं अंतमुहुत्तंजहन्न

आउठिई। दससहसवरिसठिइया भवणाहिवनिरयवितरिया ॥३५॥ वेमाणियजो

इसिया पल्लतयठभागमाउत्ति। सुरनरतिरिनिरएसुं। छपज्जत्ती थावरे

चिउगं ॥३६॥ विगलपंचपज्जत्ती ॥ छदिसिआहारहोइसव्वेसिं। पणगाइपयभ

२७

8

याणा॥२०॥ अह सन्नतियं निसामि॥ एगदुविदुसुरविरियस्सं। निरयसुयदीह-
कालिगीसन्ना। विगलाहेउवएसा। सन्नारहिया थिरा सव्वे॥२१॥ मणुआण दीहका-
लिया। दिट्ठिवाउवएसिया कहिं वि॥२२॥ पज्जपणतिरिमणुअच्चिय चउविहदेवेसु ग-
च्छंति॥२३॥ संखाउपज्जपणिंदि। तिरियनरेसुं तहेव पज्जत्ते। भूदगपत्तेयवणे। एए-
सु च्चिय सुरागमणं॥२४॥ पज्जसंखगब्भया। तिरियनरा निरयसत्तगे जंति। नरयउव्व-
ट्टा। एएसु उववज्जंति न सेसेसु॥२५॥ पुढवीआउवणस्सइ। मज्झे नारयविवज्जिया जीवा स-

६५

व्वे उववज्जंति। निय निय कम्माणुमाणेणं॥२६॥ पुढवाइदसपएसुं। पुढवीआउवणस्स-
ई जंति। पुढवाइदसपएहि य। तेऊवाऊसु उववाओ॥२७॥ तेऊवाऊगमणं। पुढवी-
पमुहंमि होइ पयनवगे। पुढवाइठाणदसगा। विगलाइतियं तहिं जंति॥२८॥ गम-
णागमणं गब्भयतिरियाणं सयलजीवठाणेसु। सव्वत्थ जंति मणुआ। तेऊवाऊ-
हिं नो जंति॥२९॥ वेयतियतिरियनरेसु। इत्थीपुरिसो य चउविहसुरेसु। थि-
रविगलनारएसुं। नपुंसवेओ हवइ एगो॥३०॥ पज्जमणुबायरग्गी॥ वेमा-

णियसवणानिरयाविनिरिया॥ इह सवउपणतिरिया॥ वइंदितेइंदिचूरुआक॥३

८॥ वाऊवणस्सइविया॥ अहियाअहियाकमसोगमंतिसाव्वविइमसाकाडि

णमएणतासापत्ता॥४३ संपइअम्हवालस्स॥ दंडगपयसमणभग्गहिययस्स॥ दंड

तियविरइसुलहलंभमइदिसुरकपयं॥४३ सिरिजिणहंसमुणीसररायसि

रिधवलचंदसीसेणगजसारेणलिहिया॥ एसाविन्नत्तिअप्पहिया॥४४ इति

श्री॰॰ श्रदंडकदुरूपणाविचार॰॰ हत्रिंशिकासमाप्ता॥ चउवीसंतिलय